

प्रेषक,

ओम प्रकाश,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
प्रशिक्षण विभाग,  
हल्द्वानी, नैनीताल।

**प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग-2**

देहरादून, दिनांक 23 नवम्बर, 2016

**विषय:** वित्तीय वर्ष 2016-17 में 'निपुणता विकास' हेतु आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि को अवमुक्त करने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 847/XXVII-I/2016 दिनांक 26.07.2016 एवं आपके पत्र संख्या 249/यूकेएसडीएम/बजट/2016-17 दिनांक 04.08.2016 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उक्त योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 के 'आयोजनागत' पक्ष के आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि **₹1000लाख(रुंदस करोड़ मात्र)** के सापेक्ष **₹500लाख(रुपांच करोड़ मात्र)** को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन नियमानुसार आपके निर्वतन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं: -

1. उक्त धनराशि का आहरण कर मिशन निदेशक, उत्तराखण्ड कौशल विकास समिति, देहरादून को हस्तान्तरित करना सुनिश्चित किया जायेगा। मिशन निदेशक द्वारा उपरोक्त धनराशि को विभिन्न मदों में व्यय करने का नियमानुसार प्रस्ताव The Board of Governors से पारित करा कर अग्रेत्तर कार्यवाही सम्पन्न की जायेगी एवं पारित प्रस्ताव से शासन को अवगत करा दिया जायेगा।
2. उपरोक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक व्यय आवश्यकता के आधार पर अधिष्ठान संबंधी मदों की आय-व्ययक के अन्तर्गत स्वीकृत बजट प्राविधान की धनराशि संबंधित प्रशासनिक विभाग/बजट नियंत्रक अधिकारियों द्वारा आहरण-वितरण अधिकारियों को इस प्रतिबंध के साथ उपलब्ध करा दी जायेगी कि इन मदों के अन्तर्गत आहरण एवं व्यय आवश्यकता के आधार पर ही किया जायेगा तथा अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि की कदापि व्यय नहीं की जायेगी एवं न ही अधिक व्यय भार सृजित किया जायेगा।
3. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
4. किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1(वित्तीय अधिकारी प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

5. यह उल्लेखनीय है कि शासन के व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
  6. आयोजनगत पक्ष में स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय आवंटित सीमा तक उसी अधिष्ठान/परिसर के लिए किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है।
  7. उक्त धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, कि जिसे व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका अथवा मूल आदेशों के अधीन सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक हो। ऐसे में सक्षम अधिकारी की स्वीकृति व्यय के पूर्व प्राप्त कर ली जायेगी तथा धनराशि माहवार आवश्यकतानुसार ही आहरित की जायेगी।
  8. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यक मदों हेतु ही किया जायेगा तथा व्यय में मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
  9. लाभार्थी के रूप में चयन बजट प्राविधान के अनुसार किया जाएगा।
  10. कौशल विकास हेतु भारत सरकार से अनुदान प्राप्त किये जाने के प्रयास किये जाएंगे।
  11. ईसी/स्टीयरिंग समिति द्वारा पारित होने के उपरान्त द्वितीय किस्त हेतु प्रस्तुत किये जाने वाले प्रस्ताव के समय विभाग द्वारा विस्तृत व्यय योजना का विवरण संलग्न किया जाएगा।
  12. मितव्ययिता के फलस्वरूप अवशेष धनराशि को वित्तीय वर्ष के अन्त में नियमानुसार शासन/वित्त विभाग को समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में आय-व्यय के 'अनुदान संख्या 16' के 'आयोजनागत' पक्ष में लेखाशीर्षक "2230- श्रम तथा रोजगार-03-प्रशिक्षण-800-अन्य व्यय-0101-निपुणता विकास" के मानक मद "42-अन्य व्यय" के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश शासनादेश संख्या 183/XXVII-I/2012 दिनांक 28.3.2012 द्वारा विहित व्यवस्था के क्रम में [www.cts.uk.gov.in](http://www.cts.uk.gov.in) से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन हेतु निर्गत विशिष्ट नम्बर/अलॉटमेंट आई.डी. **S1611160204** के अन्तर्गत तथा वित्त विभाग के उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 01.04.2015 के द्वारा प्राप्त निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।
- 4- यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0 पत्र संख्या -161(P)/XXVII(5)/2016, दिनांक 21नवम्बर, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

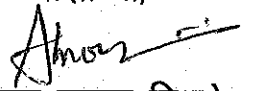
भवदीय,

( ओम प्रकाश )  
प्रमुख सचिव।

संख्या : 523 (1) / XLI-1 / 2016-124(प्रशि0) / 2009टी0सी-II तददिनांक ।

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून ।
2. महालेखाकार, ऑडिट, उत्तराखण्ड, इन्दिरा नगर, देहरादून ।
3. जिलाधिकारी, हल्द्वानी(नैनीताल) / देहरादून ।
4. परियोजना निदेशक, उत्तराखण्ड कौशल विकास समिति, महिला आई0टी0आई0 देहरादून ।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून ।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, हल्द्वानी(नैनीताल) / देहरादून ।
7. नोडल अधिकारी, उत्तराखण्ड कौशल विकास समिति, आई0टी0आई0 देहरादून ।
8. मुख्य वित्त अधिकारी, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, हल्द्वानी(नैनीताल) ।
9. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून ।
10. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन ।
- ✓ 11. राष्ट्रीय सूचना प्रकोष्ठ, सचिवालय परिसर, देहरादून ।
12. गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,  
  
( अनूप कुमार मिश्रा )  
अनु सचिव ।